समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

चुनावी साल मे बिहार को शिक्षा की बड़ी सौगात, 16 जिलों मे खुलेगें 19 नए केंद्रीय विद्यालय

Publisher

Published on 01 Oct 2025

चुनावी साल में बिहार को शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र सरकार से एक बड़ी सौगात मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बिहार के 16 जिलों में 19 नए केंद्रीय विद्यालय (Kendriya Vidyalayas) खोलने की मंजूरी दी है। इस निर्णय का उद्देश्य राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विस्तार और बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना बताया गया है।

बिहार में शिक्षा के स्तर को ऊंचाई पर ले जाने और ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के लिए आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है। केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से छात्रों को राष्ट्रीय स्तर के पाठ्यक्रम और आधुनिक शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे न केवल शहरी बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी बेहतर अवसर मिलेंगे और उन्हें शिक्षा में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति की रीढ़ है और इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाने का उद्देश्य बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। नए विद्यालयों में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ कुशल शिक्षकों की नियुक्ति भी सुनिश्चित की जाएगी।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार जैसे बड़े और ग्रामीण-आधारित राज्य में केंद्रीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाने से शिक्षा के स्तर में सुधार होगा। इस कदम से छात्रों को विज्ञान, गणित, कंप्यूटर, भाषा और खेलकूद के क्षेत्र में भी बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा। स्कूलों में अतिरिक्त पाठ्यक्रम और तकनीकी शिक्षा पर भी जोर दिया जाएगा।

राज्य सरकार और केंद्र की संयुक्त पहल से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि नए केंद्रीय विद्यालयों में शिक्षा का स्तर उच्चतम बने और छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार किया जा सके। इसके अलावा, बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में निवेश और सरकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाने में यह कदम एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

बिहार के विभिन्न जिलों में खुलने वाले 19 नए केंद्रीय विद्यालय से कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। शिक्षकों,

तकनीकी स्टाफ और प्रशासनिक कर्मियों की भर्ती के साथ-साथ स्कूलों के निर्माण और रखरखाव में भी स्थानीय श्रमिकों को फायदा होगा।

इस निर्णय को चुनावी साल में राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात के रूप में देखा जा रहा है। इससे न केवल शिक्षा का स्तर बढ़ेगा बल्कि प्रदेश में शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक प्रगति की दिशा में भी मजबूती आएगी।

नवीन केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना से बिहार के छात्र अब राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे और उच्च शिक्षा एवं करियर के अवसरों में बढ़त हासिल कर सकेंगे। यह पहल राज्य में शिक्षा के विकास और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आई है।

इस प्रकार बिहार के 16 जिलों में 19 नए केंद्रीय विद्यालय खोलने का निर्णय न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाएगा बल्कि राज्य के विकास में भी योगदान देगा। यह कदम बच्चों के लिए नई उम्मीद और बेहतर भविष्य की दिशा में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.